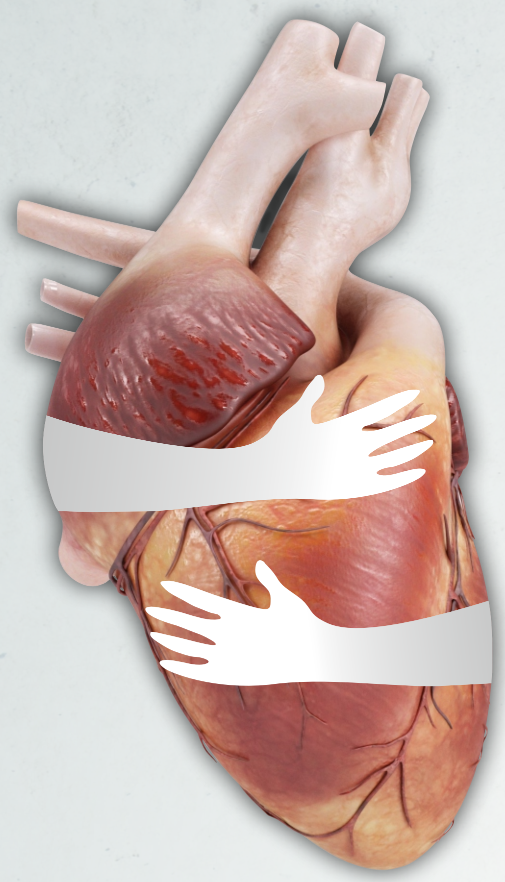

HEART DISEASE
हृदय रोग

- हृदय रोग / ब्लॉकेज / हाई कोलेस्ट्रॉल
- कोलेस्ट्रॉल घटाने वाली अंग्रेजी/एलोपैथिक दवाईयाँ और उनके के साइड इफेक्ट
- हृदय रोग में डाइट और Emergency Care
- Heart Diseases में एलोपैथी उपचार (SURGERY) की सच्चाई
- आयुर्वेद में संभव है हृदय रोग का उपचार

हृदय रोग / ब्लॉकेज / हाई कोलेस्ट्रॉल

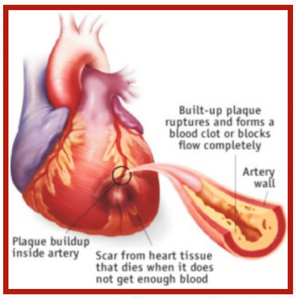

"Heart हमारे शरीर का सबसे महत्वपूर्ण organ है, जो पूरे शरीर में खून और ऑक्सीजन पहुंचाने का काम करता है। इसके बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती।"

"लेकिन जब हम अपनी Lifestyle पर ध्यान नहीं देते, जैसे कि Unhealthy Diet, Lack of exercise, Stress, और Smoking जैसी आदतें अपनाते हैं, तो हमारे Heart पर बुरा असर पड़ता है। इससे heart-related diseases जैसे High Blood Pressure, Coronary artery disease, Heart failure, और Arrhythmia जैसी problems उत्पन्न हो सकती हैं।"

"Modern Science में इन बिमारियों के लिए Chemical Based दवाइयाँ दी जाती हैं जैसे कि Beta-blockers, blood thinners, और cholesterol-lowering drugs. हालांकि, इन दवाओं के side effects भी होते हैं, जिनके बारे में आप आगे पढ़ेंगे, इसके अलावा, जब बीमारी बढ़ जाती है तो surgery का सहारा लिया जाता है, जिसमें complications की संभावनाएं भी बढ़ जाती हैं। "हालांकि आयुर्वेद में heart diseases को बिना side effects के control और manage किया जा सकता है। HiiMS Hospital में भी हम आयुर्वेद के principles का पालन करते हैं, जिसमें diet changes, Panchakarma, postural therapy, योग व Meditation और Herbal जड़ी-बूटियों का इस्तेमाल शामिल है।"

"हमारे विशेषज्ञ आपकी diet को ऐसे design करते हैं जो heart-friendly हो, जिससे आपका cholesterol और blood pressure control में रहे।"

"Heart को Detoxify करने के लिए Panchakarma किया जाता है, जिससे toxins को शरीर से बाहर निकाला जाता है और heart की कार्यक्षमता में सुधार होता है।" "Herbal medicines, जैसे कि अर्जुन की छाल और ब्रह्मी, heart को strengthen करती हैं और बिना किसी side effect के लंबे समय तक इस्तेमाल की जा सकती हैं।"

"Yoga और Meditation से stress को control किया जाता है, जो heart diseases के सबसे बड़े कारणों में से एक है।"

आयुर्वेद में natural और scientifically proven techniques का इस्तेमाल करके heart diseases को reverse करने में मदद मिल सकती है। आयुर्वेद का focus केवल symptoms को manage करने पर नहीं है, बल्कि disease के root cause को ठीक करने पर है।"

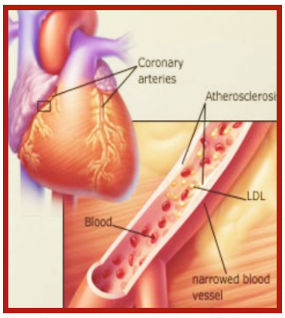

"इसलिए, अगर आप भी heart disease से जूझ रहे हैं, तो HiiMS Hospital में आयें और हमारी holistic और integrated medical approach का लाभ उठाएं।"

Heart diseases की वजह से दुनिया भर में सबसे ज्यादा मौतें होती है। हर साल लाखों लोग heart attack, stroke और दूसरी heart-related complications की वजह से अपनी जान गंवाते हैं। भारत में भी यह स्थिति गंभीर है। यहां पर heart diseases की वजह से होने वाली मौतों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, खासकर युवा पीढ़ी में। इसलिए आज के समय में heart health का ध्यान रखना बहुत ज़रूरी हो गया है।"

"हिम्स हॉस्पिटल में सिर्फ इलाज ही नहीं किया जाता, बल्कि आपकी सेहत को सही रखने के लिए आपको जरूरी चीज़ें सिखाई भी जाती हैं। हर रोज़ एक से दो घंटे के Lacture होते हैं, जिनमें आपको अपनी सेहत का ध्यान कैसे रखना है, उसके बारे में गहराई से समझाया जाता है। यह शिक्षा आपको न केवल खुद को बेहतर बनाने में मदद करती है, बल्कि अपने समाज को भी एजुकेट करने का मौका देती है। हमारे Doctors का मानना है कि एक अच्छा समाज तभी बनेगा जब हम एक दूसरे को सही जानकारी देंगे और स्वस्थ जीवन की दिशा में मिलकर काम करेंगे।

हृदय रोग में डाइट और Emergency Care

दवा से कुछ समय तक सप्रेस करने के बाद मॉडर्न मेडिकल साइंस में डॉक्टर्स सर्जरी जैसे एंजियो-प्लास्टी या बायपास सर्जरी की सलाह देते हैं। लेकिन ये सर्जरी खतरनाक भी हो सकती हैं, और इनका लंबे समय तक प्रभाव भी अनिश्चित होता है। सिर्फ अस्थायी राहत मिलती है, और भविष्य में फिर से ब्लॉकेज होने का खतरा बना रहता है। लेकिन एक प्राकृतिक समाधान है जो आपको सर्जरी के बिना हार्ट ब्लॉकेज से छुटकारा दिला सकता है – DIP डाइट। यह डाइट इसलिए प्रभावी है क्योंकि यह शरीर में Nitric Oxide का उत्पादन बढ़ाती है, जो कि ब्लड वेसल्स की आंतरिक दीवारों (endothelial layer) को स्वस्थ रखती है। इससे ब्लड फ्लो बेहतर होता है और ब्लॉकेज धीरे-धीरे खुलने लगती है। एक प्रसिद्ध उदाहरण है Bill Clinton का, जिन्होंने अपनी हार्ट ब्लॉकेज को DIP डाइट से ठीक किया। उन्होंने सर्जरी से दूर होकर इस प्राकृतिक तरीके को अपनाया और अपनी सेहत को वापस पाया। आप भी सर्जरी के जोखिम के बजाय, एक स्वस्थ और प्राकृतिक समाधान से अपने हार्ट को सुरक्षित रख सकते हैं!

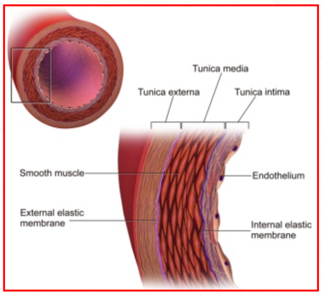

देखिये कैसे

"FORMER US PRESIDENT" BILL CLINTON ने प्लांट बेस्ट डाइट से अपने हार्ट ब्लॉकेज को ठीक किया

> Dietary nitrates may be an effective nutritional strategy to regulate healthy diastolic blood pressure and provide cardioprotection.

Acharya Ji ने कई बार online platforms, TV, और podcasts के ज़रिए Heart Safe Position और अदरक के उपयोग के बारे में बताया है, जिसे हर किसी को सीखना चाहिए। खासकर, जब Heart Attack के symptoms दिखाई देने लगें, तो emergency help बुलाने के साथ-साथ कुछ घरेलू उपायों का तुरंत इस्तेमाल करना चाहिए। सबसे पहले, आप Heart Safe Position में बैठ जाएं। ये position heart पर दबाव को कम करती है और इस position me बैठने से पिंडलियों पे दवाव पड़ता है जिसे 2nd heart भी कहा जाता है, blood flow को सही दिशा में करने में मदद करती है और इस पोजीशन में बैठने से अचानक से गिरने का खतरा भी टल जाता है। इसके बाद, एक बड़ा टुकड़ा अदरक का चबाना शुरू करें, जब तक आपकी आंखों से पानी न आ जाए। अदरक आपकी blood vessels को relax करता है और खून को सही जगह पहुंचाने का काम करता है। इससे heart attack की स्थिति में जान बचाई जा सकती है। जिन्हें भी heart से संबंधित समस्या है, उन्हें हमेशा अपने पास अदरक रखना चाहिए, ताकि emergency में इसका तुरंत इस्तेमाल किया जा सके। Acharya Ji के इन उपायों को अपनाकर, आप heart health को बेहतर तरीके से manage कर सकते हैं और emergencies में सही steps उठा सकते हैं।

कोलेस्ट्रॉल घटाने वाली अंग्रेजी/एलोपैथिक दवाईयाँ और उनके के साइड इफेक्ट

***Statins**
- Atorvastatin (Lipitor)
- Fluvastatin (Lescol)
- Pravastatin (Lipostat)
- Rosuvastatin (Crestor)
- Simvastatin (Zocor)

***PCSK9 inhibitors**
- Alirocumab
- Evolocumab
- Inclisiran

*Fibric acid derivatives (also called fibrates)
*Bile acid sequestrants (also called bile acid resins)
*Selective cholesterol absorption inhibitors
*Adenosine triphosphate-citrate lyase (ACL) inhibitors

जानिए मॉडर्न पैथी द्वारा बताये गए इन दवाईयों के साइड इफ़ेक्ट :

देखिये कितनी रिसर्च ये बताती है कि statin दवाईयां किडनी के लिए हैं कितना बड़ा ख़तरा

स्टेटिन के उपयोग से बढ़ता है

"किडनी की बीमारियों (CKD) का ख़तरा"

- Acute kidney injury - Chronic kidney disease - Nephritis - Nephrosis - Renal sclerosis https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/26742473/

स्टैटिन से

"ACUTE KIDNEY INJURY का संभावित ख़तरा"

https://www.medsafe.govt.nz/safety/ews/2013/statins-acute-kidney-injury.asp

स्टैटिन दवाईयां बन रहीं "किडनी फेल" का कारण

Use of high potency statins is associated with an increased rate of diagnosis for acute kidney injury in hospital admissions. The effect seems to be strongest in the first 120 days after initiation of statin treatment. https://www.bmj.com/content/346/bmj.f880

स्टैटिन का उपयोग और

"वृद्ध वयस्कों में किडनी इंजरी का ख़तरा"

Https://bmcnephrol.biomedcentral.com/articles/10.1186/s12882-019-1280-7

किडनी के

"GFR में गिरावट और PROTEINURIA" का कारण बन रही है स्टैटिन

https://www.nature.com/articles/s41598-019-53064-x

कोलेस्ट्रॉल घटाने वाली अंग्रेजी/एलोपैथिक दवाईयाँ और उनके के साइड इफेक्ट

स्टैटिन दवाईयों से हो रही है "LIVER INJURY"

- Asymptomatic elevations of ALT - Cholestatic Hepatitis -Jaundice - Acute Liver Failure
- Chronic Liver Failure - Liver Fibrosis

https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC3983981/

स्टैटिन दवाईयों के "LIVER पर होने वाले दुष्प्रभाव"

- Hepatitis - Transaminitis - Stomach Pain - Constipation - Diarrhoea
- Indigestion

https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC4766774/

स्टैटिन दवाईयों के "Liver व Kidney पर होने वाले विषैले प्रभाव"

- Myopathies - Type 2 Diabetes Mellitus - Neurological & Neurocognitive effects
- Hepatotoxicity - Renal Toxicity - Statin Intolerance

https://www.ahajournals.org/doi/full/10.1161/CIRCRESAHA.118.312782

STATINS के "मांसपेशियों पर होने वाले दुष्प्रभाव"

- Rhabdomyolysis - Cognitive Loss - Neuropathy - Sexual Dysfunction - Genetic mutations linked to mitochondrial dysfunction - Pancreatic and hepatic dysfunction

https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC2849981/

इनके अतिरिक्त अन्य दुष्प्रभाव निम्नलिखित हैं :

- Dizziness (चक्कर आना)
- Muscle Pain (मांसपेशियों में दर्द)
- Memory Problems (स्मृति समस्याएं)
- Hair Loss (बालों का झड़ना)
- Sleep Problems (नींद की समस्याएं)
- Low Blood Platelet Count (प्लेटलेट में कमी)
- Feeling Unusually Tired Or Physically Weak (असामान्य रूप से थकान या कमज़ोर महसूस करना)
- Skin Problems, Such As Acne Or An Itchy Red Rash (त्वचा संबंधी समस्याएं, जैसे मुंहासे या खुजलीदार लाल दाने)
- Sexual Problems, Such As Loss Of Libido (Reduced Sex Drive) Or Erectile Dysfunction (यौन समस्याएं, जैसे कामेच्छा में कमी (सेक्स ड्राइव में कमी) या स्तंभन दोष)
- Loss Of Sensation Or Tingling In The Nerve Endings Of The Hands And Feet (peripheral Neuropathy) (हाथों और पैरों के तंत्रिकाओं के अंत में संवेदना की कमी या झुनझुनी (परिधीय न्यूरोपैथी))
- Tendon Problems (Tendons Are Tough Cords Of Tissue That Connect Muscles To Bones) कण्डरा की समस्याएं (कण्डरा ऊतक की कठोर डोरियां होती हैं जो मांसपेशियों को हड्डियों से जोड़ती हैं)

आयुर्वेद द्वारा बिना साइड इफ़ेक्ट के कोलेस्ट्रोल को नियंत्रण में रखा जा सकता है

Heart Diseases में एलोपैथी उपचार (SURGERY) की सच्चाई

Complications of CABG

▸ Irregular Heartbeat ▸ Infection
▸ Reduced kidney function ▸ Brain-related problems

https://www.nhs.uk/conditions/coronary-artery-bypass-graft-cabg/risks/

Postoperative complications of CABG surgery can result in significant morbidity and mortality.

https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/30217621/

Coronary Artery Bypass Complications included :

▸ Stroke ▸ Deep vein thrombosis ▸ MI ▸ Repeat surgery ▸ Bleeding

https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC4492179/

Risks

All surgeries have some risks. Possible complications of coronary artery bypass surgery include:

▸ Bleeding. ▸ Death. ▸ Heart attack due to a blood clot after surgery. ▸ Infection at the site of the chest wound. ▸ Long-term need for a breathing machine. ▸ Irregular heart rhythms, called arrhythmias. ▸ Kidney problems. ▸ Memory loss or trouble thinking clearly, which often is temporary. ▸ Stroke.

Infectious
Pneumonia
Urinary Tract Infection
Mediastinal Infection
Superficial would Infection
Deep Space wound Infection
Orfan-Space wound Infection
Systemic sepsis or septic Shock
Empyema

Hematologic
Mediastinal Bleeding
Coagulopathy
Anemia
Platelet Dysfunction
Hemolysis

Gastrointestinal
Nausea and Vomiting
Ileus (Paralytic or Function)
Hepatic Dysfunction
Pancreatitis
Colitis (Infectious or Ischemic)

Respiratory
Pleural Effusion
Phrenic Nerve Dysfunction
Respiratory Failure/ARDS
Prolanged Mechanical Ventilation
Post-op pain and splitinting
Atekectasis

Cardiovascular
Deep Venous Thrombosis
Pulmonary Embolism
Myocardial Infarction
Hypotension
Arrhythmia
Cardiogenic Pulmonary Edema
Graft Failure
Cardiogenic Shock
Chest Pain
Distal Ischemia
Cardiac Tamponade
Pulmonary Hypertenstion
Hemothorax
Wound Deshiscence
Right Ventricular Failure

Renal
Acute Renal Failure
Kidney Injury
Electrolyte Disturbances

Neurologic
Stroke
Neurocognitive Impairment
Watershed Infarcts

आयुर्वेद में संभव है हृदय रोग का उपचार

आयुर्वेद में संभव है CAD का उपचार

https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/26393992/

पंचकर्म चिकित्सा के बाद EF में उल्लेखनीय सुधार

https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC6314236/

लेखन बस्ती व विरेचन कर्म है मेदरोग (Dyslipidemia) में लाभकारी

https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC5541465/#:~:text=Dyslipidemia%20is%20the%20abnormal%20amount%20of%20lipids%20in%20the%20blood%20due%20to%20impaired%20lipid%20metabolism%20and%20can%20be%20correlated%20with%20abnormal%20Medo%20Dhatu%20(Medo%20Dosha).%20Primarily%20there%20is%20Agni%20Vaishamya%20and%20Vata%20Dushti%2C%20hence%20Virechana%20is%20best%20to%20correct%20Agni%20and%20Basti%20to%20correct%20Vata%20Dosha

CHF के मरीज़ों के लिए आयुर्वेद है रामबाण

https://www.sciencedirect.com/science/article/pii/S0975947617300244

हृदय वस्ति

हृदय के सभी रोगों के समाधान के लिए

सीने में दर्द, हार्ट की पम्पिंग (इजेक्शन-फ्रैक्शन) में कमी, आर्टरीज, नाड़ियों में ब्लॉकेज, हार्ट का कमज़ोर होना, चलते समय साँस फूलना या हांफना, हार्ट अटैक आदि में हृदय वस्ति अति सहायक है।

रूसी स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा 2002 में जारी किए गए चिकित्सा उपयोग के लिए जोंक चिकित्सा को कोरोनरी हृदय रोग, हृदय विफलता के प्रारंभिक चरण, कार्डियोस्क्लेरोसिस, कार्डियाल्जिया, डिस्सिरक्युलेटरी एन्सेफैलोपैथी, और धमन्य उच्च रक्तचाप में USE किया जा सकता है

https://www.researchgate.net/publication/309413757_Leech_therapy_in_treatment_of_cardiovascular_diseases